जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 143 प्रभात बीकानेर, सोमवार 18 दिसम्बर, 2023 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

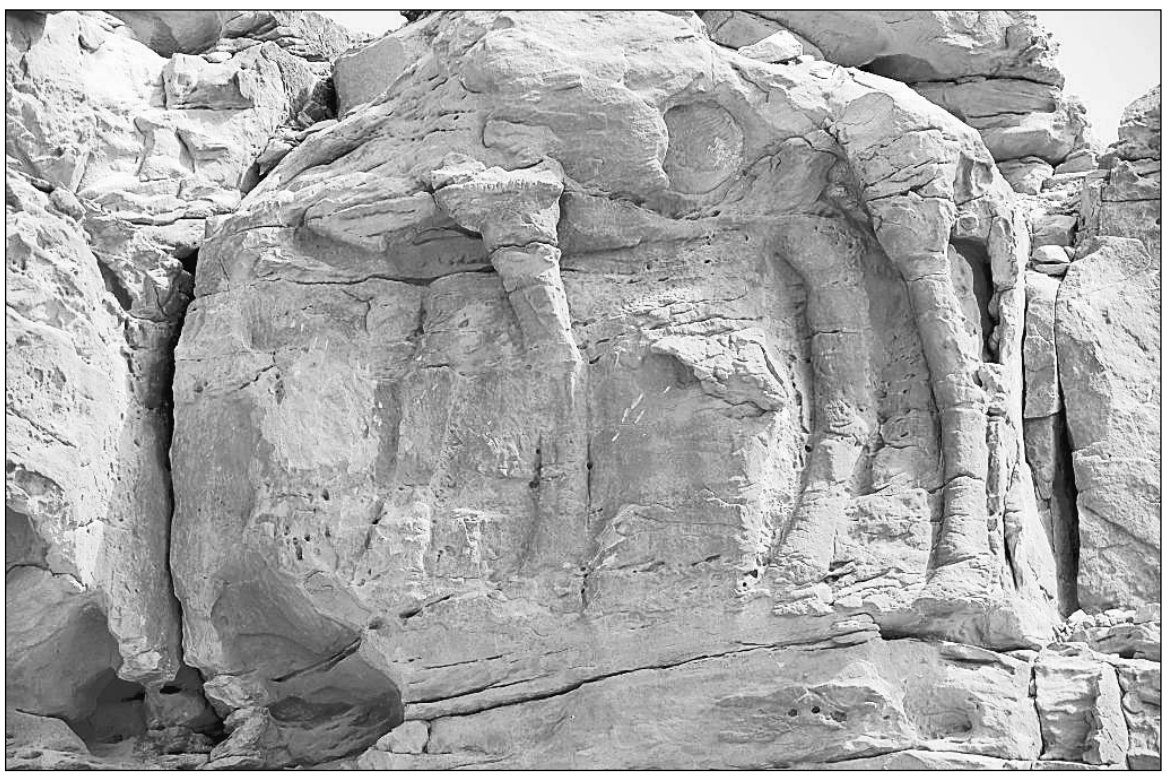

सन् 2018 में जब उत्तरी सऊदी अरेबिया में शोधकर्ताओं को ऊँट की विशाल मूर्तियों की शृंखला मिली थी तब उनका अनुमान था कि ये तकरीबन 2000 साल पुरानी हैं। अब एक नए शोध से पता चला है कि, ये मूर्तियां 6000 साल पुरानी हो सकती हैं। जर्नल ऑफ आर्किओलॉजिकल साइन्स में छपे नतीजों के अनुसार यह तथाकथित ''कैमल साइट'' वास्तव में तकरीबन 7 से 8 हजार साल पुरानी है। इस आधार पर, इन्हें विश्व की, जानवरों की सबसे पुरानी ''थ्री डायमैन्शनल'' नक्काशी कह सकते हैं। इसके विपरीत मिस्र के पिरमिड 4500 साल और ब्रिटेन के स्टोनहैंज 5000 साल पुराने हैं। शोधकर्ताओं ने रासायनिक विश्लेषण से इन कलाकृतियों के समय का पता लगाया है। मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर द साईन्स ऑफ ह्यूमन आर्किऑलजी की पुरातत्व वैज्ञानिक मारिया ग्वानिन, जो मुख्य शोध लेखक हैं, ने कहा कि, ''मूल रुप से आदमकद ऊँटों और घोड़ों की ये मूर्तियाँ एक के ऊपर एक दो परतों में थीं। प्राचीन कलाकारों ने तीन पथरीली पहाड़ियों के शीर्ष पर ऊँटों की छवियाँ उकेरी थीं। तकरीबन एक दर्जन ऊँटों के अलावा यहाँ दो और जानवरों की छवि भी गढ़ी गई है जो शायद घोड़े, गधे या खच्चर हैं। पहले इनकी डेट के बारे में जो अनुमान लगाया गया था वह जॉर्डन में मिली ऊंट की कलाकृतियों पर आधारित था, पर, रेडियोकार्बन डेटिंग व अन्य वैज्ञानिक तरीकों से पता चला कि, ये तो और भी पुरानी हैं। इसके अलावा इस साइट पर पॉटरी या धातु के औजारों के इस्तेमाल के कोई चिन्ह नहीं मिले हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस नक्काशी के लिए पत्थर के औजार ही इस्तेमाल किए गए थे जो नौ मील दूर से लाए गए थे। हरेक कलाकृति के निर्माण में 10-15 दिन लगे होंगे। ऐसा लगता है कि कई लोगों ने एक साथ मिलकर यह प्रोजैक्ट पूरा किया होगा। इनमें कुछ ऊँटों की गर्दन मोटी हैं और पेट भी गोल-मटोल है, जो प्रणयकाल की खासियत है। इससे लगता है कि यहां ऊंटों का प्रजनन होता होगा। माना जाता है कि, शिकारियों व चरवाहों के समुदाय यहां इकट्ठे होते होंगे। ये लोग खानाबदोश थे पर साल में एक खास समय सब एक जगह एकत्र होते थे। नक्काशियों का पैटर्न दर्शाता है कि, कुछ -कुछ समय के अंतर पर नक्काशी के ऊपर दोबारा नक्काशी की गई और दोबारा उन्हें आकार दिया गया। ग्वानिन ने कहा कि, निओलिथिक समुदाय इस जगह बार-बार लौटते थे, इसका अर्थ है कि यह स्थान कई पीढ़ियों तक महत्वपूर्ण रहा। तथापि, यह बात स्पष्ट नहीं है कि इन्हीं लोगों ने ऊँटों की मूर्तियाँ बनाई थीं।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति व रक्षा मंत्री से मुलाकात की

नड्डा, अमित शाह, बीएल संतोष के साथ बैठक में अरुण सिंह, सीपी जोशी, गजेन्द्र सिंह, कैलाश चौधरी, मेघवाल, राजेन्द्र राठौड़ व सतीश पूनिया भी शामिल हुए

- **लोकसभा चुनाव, प्रदेश में होने वाले कार्यक्रमों के साथ मंत्री मंडल गठन पर चर्चा हुई बताते हैं।**
- **यह भी चर्चा है कि पहले दौर में 10 केबिनेट तथा 5 राज्य मंत्री बनाये जा सकते हैं।**

जयपुर, 17 दिसम्बर (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को विशेष विमान से दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इस दौरान उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा भी उनके साथ रहे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की इसके बाद भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष के साथ बैठक हुई। इस बैठक में प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, कैलाश चौधरी, अर्जुन राम मेघवाल, राजेंद्र राठौड, सतीश पूनिया शामिल हुए।

इस बैठक में मंत्रिमंडल गठन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं इसके साथ ही प्रदेश में आने वाले दिनों में होने वाले कार्यों के बारे में भी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों की केंद्रीय नेताओं से मुलाकात के दौरान राजस्थान के नए मंत्रिमंडल गठन को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि एक-दो दिन में मंत्रिमंडल को लेकर स्थिति साफ हो जाएगी।

शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, दीया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा का यह पहला दिल्ली दौरा है। उनका दिल्ली जाने का यह कार्यक्रम अचानक बना। ऐसे में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर भी अटकलें शुरू हो गई हैं। दिल्ली जाने से पहले मुख्यमंत्री भजनलाल ने शनिवार को राज्यपाल कलराज मिश्र से भी मुलाकात की थी। बताया जा रहा है कि भजनलाल शर्मा के मंत्रिमंडल में 10 कैबिनेट मंत्री और पांच राज्य मंत्री बनाए जा सकते हैं।

इसे लेकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मंथन होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सोमवार को दोपहर बाद जयपुर लौटने का कार्यक्रम है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि सोमवार या मंगलवार को मंत्रिमंडल का विस्तार किया जा सकता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा आज जयपुर से विशेष विमान से दिल्ली के लिए रवाना हुए। दिल्ली हवाई अड्डे पर चीफ रेजिडेंट कमिश्नर (आईएएस अधिकारी) शुभ्रा सिंह ने उनका स्वागत किया और गुलदस्ता भेंट किया। सी.एम. भजनलाल शर्मा ने अपना एक फोटो भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया है, जिसमें वे प्लेन में फाइल्स पढते दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस हवाई यात्रा के दौरान उन्होंने करीब आधा दर्जन जरूरी फाइल्स पढी और उनका निस्तारण किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सोमवार दोपहर बाद जयपुर लौटने का कार्यक्रम है।

इसके बाद वे शाम को 5 बजे सभी विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिवों की बैठक लेंगे। सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में होने वाली इस बैठक में मुख्य सचिव उषा शर्मा भी शामिल होंगी।

पूववर्ती कांग्रेस सरकार में बने बोर्ड, निगम व आयोग भंग किए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 17 दिसंबर। राजस्थान में भाजपा की सरकार बनते ही पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय दी गई राजनैतिक नियुक्तियों को भंग कर दिया गया है। राज्य व जिला स्तरीय समितियों, सभी बोर्ड, निगम, आयोग और टास्क फोर्स में मनोनीत गैर सरकारी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्यों की सेवाओं को भी समाप्त कर दिया है। प्रशासनिक सुधार विभाग (अनुभाग-3) की संयुक्त शासन सचिव मुन्नी मीणा ने इसके संबंध में रविवार को एक आदेश जारी किया है।

- **राजस्थान में भाजपा की सरकार बनते ही प्रशासनिक सुधार विभाग का आदेश जारी ।**

संयुक्त शासन सचिव मुन्नी मीणा की ओर से जारी इस आदेश में बताया गया है कि, विभिन्न विभागों के अंतर्गत राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय समितियां, आयोग, निगम, बोर्ड और टास्क फोर्स आदि कार्यरत हैं, जिनमें गैर सरकारी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्य मनोनीत किए हुए हैं। राज्य सरकार द्वारा विभिन्न संस्थाओं में सभी गैर सरकारी सदस्यों के मनोनयन को तुरंत प्रभाव से समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही जिन विभागों में गैर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आपसे राजनीति की जादूगरी सीखनी है : शेखावत

गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सीएम के शपथ ग्रहण समारोह में गहलोत से हुई बात बताई

जोधपुर, 17 दिसम्बर (कासं)। सीएम के शपथ ग्रहण समारोह में अशोक गहलोत के साथ हुई बातचीत का खुलासा करते हुए गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि, मैंने उनसे कहा था कि आपसे राजनीति की जादूगरी सीखनी है, इस पर गहलोत बोले कि, साथ बैठकर चाय पिएंगे।

गौरतलब है कि, राजस्थान के नए सीएम भजनलाल शर्मा ने 15 दिसंबर को जयपुर के अल्बर्ट हॉल के बाहर शपथ ली थी। कार्यक्रम में पूर्व सीएम अशोक गहलोत और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद थे। इसी कार्यक्रम में गहलोत और शेखावत मंच पर अगल-बगल में बैठे थे। दोनों के बीच काफी हंसी-मजाक हुई। दोनों एक-दूसरे का हाथ पकड़ बातें कर रहे थे। यह वीडियो सोशल मीडिया पर

- **मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में गजेन्द्र सिंह व अशोक गहलोत अगल-बगल बैठे थे। उनके हाथ मिलाने व हंसकर बात करने का विडियो सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हुआ था।**

काफी शेयर किया गया।

इस बातचीत का खुलासा खुद गजेंद्र सिंह शेखावत ने किया है। शेखावत रविवार को जोधपुर में थे। उन्होंने शहर की अजीत कॉलोनी में अपने निवास स्थान पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने मंच पर हुई बात को भी शेयर किया।

शेखावत ने कहा कि, मैंने उनके राजनीतिक अनुभव का जिक्र करते हुए यह कहा था कि, मुझे आपसे राजनीति की जादूगरी सीखनी है। इसके बाद यह भी तय हुआ कि दोनों चाय पर भी मिलेंगे।

पूर्व सीएम गहलोत और खुद के रिश्तों को लेकर शेखावत बोले- उनके और मेरे बीच वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद नहीं। कार्यक्रम के दौरान जब वे मिले तो मैंने उनसे कहा था, आपका 50 साल का राजनीतिक अनुभव है। मुझे आपसे राजनीति की जादूगरी सीखनी है। इसलिए आपके साथ चाय पीने जरूर आऊंगा।

श्रीकरणपुर चुनाव के लिए कांग्रेस ने प्रबंधन समिति बनाई

जयपुर, 17 दिसम्बर (का.प्र.)। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले की श्रीकरणपुर विधानसभा सीट पर 5 जनवरी को होने वाले मतदान के लिए कांग्रेस ने एक चुनाव प्रबंधन समिति का गठन किया है। इसमें 25 लोगों के नाम शामिल हैं। इस संबंध में रविवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने आदेश जारी किया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने चुनाव प्रबंधन समिति में पूर्व मंत्री गोविंदराम मेघवाल, तारानगर

- **समिति में स्थानीय तथा जिले के नेताओं को तरजीह दी गयी है।**

विधायक नरेंद्र बुढानिया, प्रभारी महासचिव जियाउर रहमान, गंगानगर जिलाध्यक्ष अंकुर मिगलानी, जिला प्रमुख कुलदीप इंदौरा, हनुमानगढ़ जिलाध्यक्ष सुरेंद्र दादरी, विधायक डूंगरराम गेदर, सोहनलाल नायक, शिमला देवी, विनोद गोठवाल, अमित चाचान, अभिमन्यु पूनिया को इस समिति में शामिल किया है।

पूर्व मंत्री विनोद लीलावाली, पूर्व मंत्री करतार सिंह कंग, पीसीसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कमलनाथ को हटा जीतू पटवारी प्रदेश अध्यक्ष बने

करारी हार के बाद कांग्रेस ने मध्यप्रदेश में महत्वपूर्ण परिवर्तन किये

भोपाल, 17 दिसंबर। आगामी लोकसभा चुनाव के पहले मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस ने अपना चेहरा बदलने की कोशिश करते हुए अब तक राज्य में पार्टी की कमान संभाले पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को प्रदेश अध्यक्ष के पद से हटाते हुए पूर्व मंत्री जीतू पटवारी को ये जिम्मेदारी सौंप दी है।

- **पटवारी राहुल गाँधी के करीबी माने जाते है। मंदसोर में किसान आंदोलन के समय पुलिस के भारी पहरे के बीच राहुल गाँधी पटवारी की मोटर साईकिल पर सभा स्थल पहुंचे थे।**
- **युवा उमंग सिंघार को प्रतिपक्ष का नेता और हेमन्त कटारे को उपनेता नियुक्त किया गया है।**

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मालवांचल के इंदौर से आने वाले पार्टी के युवा नेता और पूर्व मंत्री पटवारी को कांग्रेस अध्यक्ष और इसी अंचल के धार जिले के युवा नेता और गंधवानी विधायक उमंग सिंघार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर नियुक्त किया है। साथ ही भिंड जिले के अटेर विधायक हेमंत कटारे को उप नेता प्रतिपक्ष बनाया गया है। इस के साथ ही राज्य में विधानसभा चुनाव के समय से पार्टी की कमान को लेकर चली आ रही अटकलों पर विराम लग गया है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले पटवारी इंदौर जिले के राऊ से विधायक रहे हैं। वे कमलनाथ सरकार में मंत्री रहे हैं। इस बार वे भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी मधु वर्मा से चुनाव हार गए हैं।

वहीं उमंग सिंघार राज्य में पार्टी का बड़ा आदिवासी चेहरा माने जाते हैं। वे पूर्व उप मुख्यमंत्री जमुना देवी के भतीजे हैं। इस विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को भारी नुकसान के बीच भी सिंघार अपनी परंपरागत सीट गंधवानी को कांग्रेस की झोली में डालने में कामयाब रहे हैं। हालांकि कमलनाथ सरकार के दौरान मंत्री पद पर रहते उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पर कई सनसनीखेज आरोप लगाए थे और बाद तक भी वे अपने आरोपों पर कायम रहे थे।

हेमंत कटारे भिंड जिले के अटेर से दूसरी बार विधायक चुन कर आए हैं। वे पूर्व मंत्री सत्यदेव कटारे के पुत्र हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में वे भाजपा के कद्दावर नेता अरविंद भदौरिया से हार गए थे, लेकिन इस बार उन्होंने भदौरिया को धूल चटा कर ये सीट एक बार फिर कांग्रेस की झोली में डाल दी है।

कमलनाथ वर्ष 2018 के चुनाव के पहले से कांग्रेस अध्यक्ष पर कायम थे। पिछले दो चुनाव कांग्रेस ने उन्हीं के नेतृत्व में लड़े थे। इस बार पार्टी की ऐतिहासिक हार के बाद से उन्हें इस पद से हटाए जाने की खबरों ने जोर पकड़ रखा था।

सरदारशहर में पं. भंवरलाल शर्मा स्मृति स्थल पर तोड़फोड़, समर्थकों में फूटा गुस्सा

आक्रोशित समर्थकों ने दिल्ली रोड पर लगाया जाम, सोमवार को सरदारशहर में बाजार बन्द रहेंगे

सरदारशहर, 17 दिसम्बर (निसं)। दिल्ली रोड पर स्थित राजस्थान सरकार में पूर्व मंत्री पण्डित भंवरलाल शर्मा स्मृति स्थल पर शनिवार रात को अज्ञात लोगों ने तोड़फोड़ की। स्मृति स्थल के अंदर तोड़फोड़ करने के साथ पौधों के गमले तोड़ दिये। इसके साथ ही समाधि स्थल के चारों और लगे शीशे तोड़ दिये और शर्मा की मूर्ति के साथ छेड़छाड़ करने के साथ अपशब्द भी लिखे गये हैं। मामले की जानकारी मिलते ही थानाधिकारी मदनलाल विश्नोई ने मौके पर पहुंचकर समाधि स्थल का मौका मुआयना किया।

थानाधिकारी विश्नोई ने बताया कि, अज्ञात लोगों द्वारा शर्मा के स्मृति स्थल पर तोड़फोड़ की गई है, मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। शीघ्र ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा। इधर घटना की जानकारी मिलते ही कांग्रेस शहर ब्लाक अध्यक्ष जितेंद्र सिंह राजवी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर घटना की निंदा की और आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की है। आक्रोशित समर्थकों ने हाइवे जाम कर दिया। मामले को बढ़ता देख विधायक अनिल शर्मा जयपुर से सरदार शहर पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने समाधि स्थल पर माथा टेक कर प्रशासन से वार्ता की और समर्थकों से समझाइश कर जाम खुलवाया। विधायक शर्मा ने कहा कि, असामाजिक तत्वों द्वारा निंदनीय घटना को अंजाम दिया गया जिसकी जितनी भर्त्सना की जाए कम है। उन्होंने कहा कि, इस घटना को लेकर पूरे राजस्थान में आक्रोश है। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि, कुछ लोग शहर में अशांती पैदा करने चाहते है, यह संभव नहीं है। इस दौरान उपखंड अधिकारी हरिसिंह शेखावत, डीवाईएसपी पवन भदोरिया, सीआई सतपाल विश्नोई के अलावा राजस्थान ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष पुनमचन्द तिवाड़ी, कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष जितेन्द्र राजवी, नगर अध्यक्ष महावीर माली, विकास मंच के अध्यक्ष एडवोकेट राजेन्द्र राजपुरोहित, ओमकार बाली, शेर मोहम्मद बिसायती, पार्षद मदनसिंह निर्वाण, भीखमसिंह राठौड़, व्यापार एवं उद्योग मण्डल के अध्यक्ष शिवभगवान सैनी, गजानन्द पारीक, पार्टी के नगर महामंत्री शांतिलाल नाहटा, ओमप्रकाश मेघवाल, विप्र फाण्डेशन के सुनील मिश्र, कल्याणसिंह शेखावत, गजेन्द्रसिंह शेखावत, तेजकरण चौधरी, श्रीराम प्रजापत, ताराचन्द सैनी, अशोक पारीक, मुरलीधर सिवाल, जगदीश स्वामी, फारूक ज्यानमोहम्मद, भीमसेन सैनी, प्यारेलाल आचार्य सहित बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद थे।

- **आरोपियों द्वारा शर्मा की मूर्ति के साथ छेड़छाड़ करने के साथ अपशब्द भी लिखे गये। विभिन्न संगठनों ने घटना की निन्दा की।**
- **पुलिस ने मामला दर्ज कर तुरंत कार्रवाई करते हुए दो जनों को राउन्डअप किया।**

बुकनसर बास निवासी मदनलाल पुत्र हनुमान प्रसाद पारीक ने पुलिस को रिपोर्ट दी है जिसमें बताया कि, वह भंवरलाल शर्मा स्मृति स्थल के पास स्थित ट्यूबवेल पर खेत काश्त करता है और विधायक अनिल कुमार शर्मा ने स्मृति स्थल की साफ सफाई सार संभाल व देखभाल का कार्य सौंप रखा है। शनिवार को शाम के समय वह हमेशा की भांति स्मृति स्थल को संभालकर अपने खेत में बनी ढ़ाणी में जाकर रात्रि 11 बजे सो गया। उसके पश्चात सुबह 7 बजे उठकर हमेशा की भांति स्मृति स्थल की साफ सफाई करने गया तो देखा कि स्मृति स्थल का गेट तोड़कर, प्रवेश कर गुंबद के शीशे टूटे हुए मिले तथा पौधों के गमले टूटे हुए मिले। अज्ञात लोगों ने भंवरलाल शर्मा के परिवारजन को अपमानित करने एवं जन सामान्य की आस्था को चोट पहुंचाने के लिए उनकी फोटो को क्षतिग्रस्त कर दिया और मूर्ति के सिर पर पहनी हुई पगड़ी को फाड़कर टुकड़े-टुकड़े कर नष्ट कर दिया। मूर्ति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मणिपुर में तीन नागा उग्रवादी मारे गये

इंफाल, 17 दिसंबर। मणिपुर में नोनी जिले के लामडांगमेई गांव में रविवार को दो नागा उग्रवादी समूहों के बीच हुई झड़प में तीन लोग मारे गए। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने कहा कि, संदिग्ध ज़ेलियानग्रोंग यूनाइटेड फ्रंट (जेडयूएफ) और नेशनल सोशलिस्ट कौंसिल ऑफ नगालैंड-आइसक-मुइवा (एनएससीएन-आईएम) कैडरों के बीच गोलीबारी हुई, जिसमें दो जेडयूएफ और एक एनएससीएन-आईएम कैडर की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद खुपुम पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची।

प्रदेश के विकास के लिए कर्मचारी समर्पित भाव से करें काम -देवनानी

जयपुर, 17 दिसम्बर (का.सं.)। पूर्व शिक्षा मंत्री, अजमेर उत्तर विधायक एवं भाजपा के नवमनोनीत विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि, राजस्थान प्रदेश के विकास के लिए कर्मचारी समर्पित भाव से काम करें। कर्मचारियों के सतत प्रयास एवं सहयोग से ही प्रदेश का विकास संभव होगा। श्री देवनानी रविवार को राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ द्वारा आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोल रहे थे।

- **राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ ने नवनिर्वाचित विधानसभाध्यक्ष देवनानी का अभिनंदन किया।**

देवनानी ने कहा कि, कर्मचारी अपनी समस्या सरकार को समय समय पर अवगत कराएं, यह कर्मचारियों का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)